2019

HINDI

(Modern Indian Language)

(Hindi Natya Sahitya)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×10=10

(क) मुरारीलाल कौन हैं?

(ख) 'जोंक' किस शैली में लिखी गया प्रहसन है?

(ग) औरंगज़ेब ने राज्य की प्रजा पर कौन-सा कर लगाया था?

(घ) रजनीकांत का चित्रण किस नाटक में हुआ है?

(ङ) 'सिन्दूर की होली' नाटक में कितने अंक हैं?

(च) शिल्प की दृष्टि से 'सड़क' किस तरह का एकांकी है?

(छ) लोचन किस एकांकी का पात्र है?

(ज) रामकुमार वर्मा द्वारा रचित एक ऐतिहासिक एकांकी का नाम लिखिए।

(झ) 'पाँच पर्दे' के संपादक कौन हैं?

(ञ) विष्णु प्रभाकर ने शरत्चंद्र की प्रामाणिक जीवनी किस नाम से लिखी?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 2×5=10

(क) ''आजकल की शिक्षा में शब्दों का खिलवाड़ खूब सिखलाया जाता है।'' यह कौन, किससे कह रहा है?

(ख) 'भोर का तारा' और 'मेरे सपने' एकांकी-संग्रह के संपादक कौन हैं?

(ग) ''अपनी माँ उदयपुरी को तकलीफ मत देना... मैं रुखसत होता हूँ... अलविदा...!'' यह कथन किसका है? उदयपुरी किसकी माँ है?

(घ) मोनोलॉग का तात्पर्य क्या है?

(ङ) मनोजशंकर का परिचय दीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) नाटक और एकांकी में अंतर स्पष्ट कीजिए।

(ख) उदयशंकर भट्ट की साहित्यिक देन पर प्रकाश डालिए।

(ग) मनोरमा का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(घ) लक्ष्मीनारायण लाल की साहित्यिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ङ) नामकरण की दृष्टि से 'सड़क' एकांकी की समीक्षा कीजिए।

(च) वीरेन की ग्रामोद्धार समिति बनाने की योजना क्यों सफल नहीं हो पाती?

4. अभिनेयता की दृष्टि से 'जोंक' एकांकी की समीक्षा कीजिए। 10

अथवा

आलमगीर का चरित्र-चित्रण कीजिए।

5. ''समस्या नाटकों के अनुकूल मुरारीलाल का चरित्र जटिल है।'' इस कथन की विवेचना करते हुए मुरारीलाल का चरित्र-चित्रण कीजिए। 10

अथवा

'सिन्दूर की होली' नाटक की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

6. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×2=20

(क) किसी को गोली मारना यदि वीरता है, तो गोली मारकर बाँसुरी बजाना तो वीरता से बढ़कर वीरता और महानता से बढ़कर महानता है।

अथवा

पुरुष का सबसे बड़ा रोग स्त्री है और स्त्री का सबसे बड़ा रोग है पुरुष। यह रोग तो मनुष्यता का है और शायद मनुष्यता के विकास के साथ ही साथ इसका भी विकास हुआ।

(ख) बुझने से पहले शमा की लौ भड़क उठती है।

अथवा

बरसों पहले की दुनिया उजड़ गयी और मैं जिस समाज में बसने आया था, वह ख्वाब हो चला।

★★★